बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक–15.08.2017

बिहार के विभिन्न जिलों में बाढ़ की स्थिति लगातार बनी हुई है। वर्त्तमान में पूर्णियां, किशनगंज, अररिया, कटिहार, मधेपुरा, सुपौल, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर के साथ–साथ मुजफ्फरपुर सहित राज्य के 13 जिले बाढ़ से प्रभावित हो गए हैं।

राज्य सरकार के द्वारा बाढ़ में घिरे लोगों को सुरक्षित निकाले जाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। अभी तक लगभग 2.00 लाख प्रभावित लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया जा चुका है। इसके लिए NDRF की 22 टीम के कुल 949 जवान एवं 100 नाव, SDRF की 15 टीम के कुल 421 जवान, 82 नाव तथा सेना की 4 टुकड़ियों के कुल 300 जवानों एवं 40 नावों को तैनात किया गया है।

मा0 मुख्य मंत्री, बिहार के निदेश पर राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों का दल आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस दल में प्रधान सचिव, आपदा प्रबंधन, प्रधान सचिव, पथ निर्माण विभाग, प्रधान सचिव, ग्रामीण कार्य विभाग सहित पूर्णियाँ, अररिया, किशनगंज एवं कटिहार जिला के जिला पदाधिकारी एवं प्रभारी प्रधान सचिव शामिल हैं। इनके द्वारा हवाई सर्वेक्षण के आधार पर स्थिति का आकलन कर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी।

सेना के तीन अतिरिक्त टुकड़ियाँ रात्रि में पहुँच चुकी हैं तथा इन्हें सीतामढ़ी, मधुबनी, प0 चम्पारण एवं पूर्वी चम्पारण जिले में बाढ़ राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया है।

वायुसेना के दो हेलिकॉप्टर के माध्यम से पूर्णियाँ हवाई अड्डे से प्रभावित क्षेत्र में खाद्य सामग्री वितरित की जा रही है। पश्चिम चम्पारण क्षेत्र के अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र में खाद्य सामग्री वितरित करने हेतु एक अतिरिक्त हेलिकॉप्टर का अधिग्रहण किया गया है। यह हेलिकॉप्टर आज से राहत कार्य शुरू करेगा।